व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

कटाई और सिलाई

के लिए

स्वयं सहायता समूह – सिमसा माता

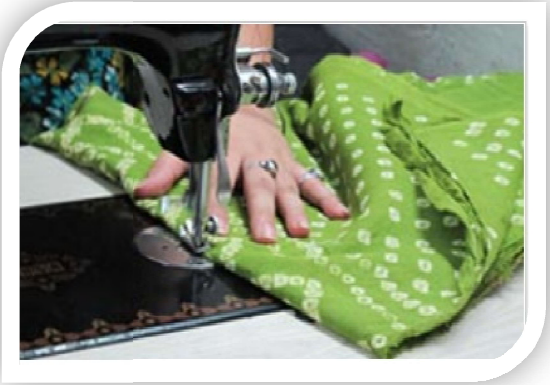

एसएचजी/सीआईजी नाम	सिमसा माता
वीएफडीएस नाम	कोलांग
रेंज	लड भरोल
मंडल	जोगिंदर नगर

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्र॰सं॰	विवरण	पृष्ठ क्रमांक॰
1.	परिचय	3
2.	विवरणएसएचजी/सीआईजी का	4
3.	लाभार्थियोंविवरण	5
4.	भौगोलिकगांव का विवरण	6
5.	बाजार की संभावना	6
6.	कार्यकारिणीसारांश	7
7.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
8.	उत्पादन का विवरणप्रक्रिया	7
9.	संकट विश्लेषण	7
10.	विवरणसदस्यों के बीच प्रबंधन का	7
11।	विवरणअर्थशास्त्र का	8-9
12.	स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था	9
13.	निधि के स्रोत	10
14.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	11
15.	ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना	12
16.	किनाराकर्ज का भुगतान	12
17.	निगरानीतरीका	12
18.	टिप्पणी	12
19.	**व्यक्तिगत तस्वीरें**	13
20.	समूह फोटो	14
21	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	15
22	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	16

1. परिचय-

कटिंग और टेलरिंग को कपड़ों की सिलाई के रूप में भी जाना जाता है। कटिंग और टेलरिंग के इस कौशल का उपयोग सूट, रूमाल और सभी आयु समूहों के विभिन्न शैलियों के विभिन्न कपड़े पहनने के लिए किया जाता है, घरेलू उत्पाद जैसे टेबल कवर, पर्दे आदि ग्रामीण भारत में मुख्य रूप से महिलाओं के बीच एक आम घरेलू गतिविधि है। अधिकांश महिलाएं इस IGA से अच्छी तरह वाकिफ हैं और वे अपने खाली समय में इसे खुशी से करती हैं। उनके द्वारा इसे स्वयं करने का एक कारण पैसा बचाना है। इस SHG की महिलाएं अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरत को पूरा करने के लिए पहले से ही सक्रिय हैं। अब सदस्यों ने इस गतिविधि को IGA के रूप में चुना है ताकि वे अपने खर्चों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त पैसे कमा सकें और मुश्किल समय के लिए कुछ बचत कर सकें। SHG के रूप में पहले से मौजूद विभिन्न आयु समूहों की 9 महिलाओं का एक समूह JICA परियोजना का हिस्सा बनने के लिए एक साथ आया

इस IGA (आय सृजन गतिविधि) में शामिल होने से पहले बाजार की संभावनाओं और विभिन्न पहलुओं पर बहुत सावधानी से चर्चा करने के बाद, सिमसा माता SHG समूह ने सामूहिक रूप से कटिंग और टेलरिंग को अपनी आय सृजन गतिविधि (IGA) के रूप में करने का निर्णय लिया है। सिमसा माता SHG का गठन वर्ष 2014 में किया गया था और इसे हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका (JICA सहायता प्राप्त) के सुधार के लिए परियोजना के तहत भी शामिल किया गया है, जो VFDS कोलांग के अंतर्गत आता है। इस SHG में 9 महिलाएं हैं। इन महिलाओं को पहले से ही कटिंग और टेलरिंग का थोड़ा अनुभव था और अब इस परियोजना के वित्तपोषण, प्रशिक्षण और सहायता की मदद से वे इस कौशल को विकसित करेंगी और पेशेवर बन जाएंगी। इस SHG की विस्तृत व्यवसाय योजना इसकी निवेश क्षमता, विपणन और प्रचार रणनीति के अनुसार तैयार की गई है और विस्तृत कार्य योजना पर नीचे चर्चा की जाएगी:

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	सिमसा माता
2.	वीएफडीएस	कोलांग
3.	रेंज	लड भरोल
4.	मंडल	जोगिंदर नगर
5.	गाँव	कोलांग
6.	ब्लाक ऑफिस	चौंतडा
7.	ज़िला	मंडी
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	9
9.	गठन की तिथि	03-07-2014
10.	बैंक खाता सं.	31510110591
11।	बैंक विवरण	एचपीएससीबी लाड भरोल
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	50 प्रति सदस्य (कुल समूह 450)
13.	कुल बचत	6801
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद क्रेडिट सीमा	-
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्र. सं.	नाम	एम /ए फ	पिता/ पति का नाम	वर्ग	पद का नाम	संपर्क नंबर।
1	मिलापा देवी	एफ	अच्छर सिंह	सामान्य	अध्यक्ष	7018712371
2	सुनीता देवी	एफ	संत राम	सामान्य	सचिव	8988622887
3	रीता देवी	एफ	नेक चंद	सामान्य	सदस्य	8580706094
4	रुमला देवी	एफ	सुभाष चंद्र	सामान्य	सदस्य	8580694865
5	हिमती देवी	एफ	कृष्ण कुमार	सामान्य	सदस्य	7827968581
6	मीरा देवी	एफ	अच्छर सिंह	सामान्य	सदस्य	9625555230
7	बिंद्रा देवी	एफ	टेक चंद	सामान्य	सदस्य	7018636670
8	कुष्मा देवी	एफ	संजय कुमार	सामान्य	सदस्य	8219412085
9	सीमा देवी	एफ	विक्की कुमार	सामान्य	सदस्य	8580694865

4. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	मंडी 90 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	लड भरोल 8 किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	लड भरोल 8 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	बैजनाथ 20 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	✧ मंडी – 90 किमी ✧ जोगिन्द्रनगर – 34 किमी ✧ पालमपुर -40 किमी ✧ बैजनाथ – 20 किमी
6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	✧ मंडी ✧ जोगिन्द्रनगर ✧ पालमपुर ✧ बैजनाथ

5. बाजार की संभावनाएं-

कटिंग और टेलरिंग का हुनर सीखने के बाद, यह सिमसा माता SHG अपने इलाके और आस-पास के गांवों की स्थानीय आबादी को लक्षित करेगा। फैशन में तेज़ी से हो रहे बदलाव और वृद्धि के साथ बाजार की बहुत बड़ी संभावना है; सिलाई के कपड़ों की मांग पूरे साल रहेगी। अलग-अलग मौसम होते हैं और अलग-अलग तरह के कपड़ों की ज़रूरत होती है, जो यह भी सुनिश्चित करता है कि व्यवसाय टिकाऊ रहेगा क्योंकि पूरे साल मांग रहेगी। त्यौहारों या शादियों के मौसम में इस SHG के ग्राहकों की संख्या में उछाल देखने को मिलेगा।

1	संभावित बाज़ार स्थान/स्थान	कवर किया गया गांव - कोलांग
2	सिलाई कार्य की मांग	वर्ष भर त्यौहारों और विवाह के अवसरों पर इसकी मांग अधिक रहती है।
3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
4	विपणन रणनीति	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे तौर पर आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/संस्थाओं से ऑर्डर लेंगे (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर)।

6. कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा कटिंग और टेलरिंग आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस SHG की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा सालाना की जाएगी। सदस्य इस गतिविधि को अलग-अलग कर रहे हैं, लेकिन अब वे अपने कौशल को बढ़ाने के लिए उचित प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद इस गतिविधि को थोड़े बड़े पैमाने पर और योजनाबद्ध तरीके से करने के लिए हाथ मिला रहे हैं। इस समूह द्वारा शुरुआत में विभिन्न प्रकार के सूट सिलने का काम किया जाएगा। ग्राहकों की मांग के अनुसार सूट सिलने का काम किया जाएगा।सदस्यों के बीच श्रम विभाजन की योजना सावधानीपूर्वक बनाई गई

है, ताकि प्रत्येक सदस्य आईजीए को मजबूत करने में योगदान दे सके और परिणामस्वरूप उनकी जेब में अतिरिक्त धन आए

7. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	सिला हुआ सूट
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

8. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-

1	समय लिया	एक सूट तैयार करने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं।
2	शामिल महिलाओं की संख्या	सभी महिलाएं
3	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5	प्रतिदिन अपेक्षित सिले हुए सूट	शुरुआत में 5 सूट

9. संकट विश्लेषण-

- कौशल आधारित
- मांग संचालित
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

10. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण:

- आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।
- कुछ लोग काटने में शामिल होंगे।

- अन्य लोग सिलाई में लगे रहेंगे
- कुछ लोग सिले हुए सूटों की अंतिम फिनिशिंग में लगे होंगे और अन्य लोग अंतिम उत्पाद की इस्त्री और पैकिंग में लगे होंगे।

11.अर्थशास्त्र का विवरण -

ए. पूंजीगत लागत				
क्र. सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु.)
1	सिलाई मशीन	9	7000	63000
2	इंटरलॉक मशीन	1	6500	6500
3	दर्जी कैंची	9	500	4500
4	टेलरिंग रूलर सेट	9	600	5400
5	सिलाई दर्जी टेप	9	100	900
6	लौह प्रेस	4	1200	4800
7	एल्युमिनियम रैक	3	3000	9000
8	कांटा	5 सेट	240	1200
9	कुर्सियों	9	800	6300
10	काउंटर/कपड़ा काटने की मेज	1	3500	3500
कुल पूंजी लागत (ए) = रु 1,05,100				

बी. आवर्ती लागत					
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (रु.)
1	सिलाई धागे, बटन, ज़िप, मार्कर आदि	उत्तर	रास	रास	3,000
2	कमरे का किराया	महीना	1	2,000	2,000
3	पैकेजिंग सामग्री	महीना	रास	रास	2,000
4	अन्य (परिवहन, स्टेशनरी, बिजली बिल, मशीन मरम्मत)	महीना	रास	रास	4,000
कुल आवर्ती लागत (बी) = 11,000					

नोट –

समूह के सदस्य स्वयं कार्य करेंगे, इसलिए श्रम लागत इसमें शामिल नहीं की गई है तथा सदस्य आपस में मिलकर कार्यसूची का प्रबंध करेंगे।

सी. उत्पादन लागत (मासिक)		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	11,000
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	10,510
कुल = 21,510		

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा
1	साधारण सूट	1	250-300
2	अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	350-400

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	10,510
2	कुल आवर्ती लागत	11,000
3	प्रति माह कुल सिले हुए सूट	300 (लगभग मात्रा)
4	सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	300
5	आय सृजन (300×300)	90,000
6	शुद्ध लाभ (आय सृजन - आवर्ती लागत)	79,000
7	शुद्ध लाभ का वितरण	✓ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✓ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

12. स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था -

क्र. सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	1,05,100	78,825	26,275
2	कुल आवर्ती लागत	11,000	0	11,000
3	प्रशिक्षण/ क्षमता निर्माण/ कौशल उन्नयन	100000	100000	0
कुल		2,16,100	1,78,825	37,275

टिप्पणी:

i) पूंजीगत लागत- 50% पूंजीगत लागत परियोजना द्वारा तथा 50% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

ii) आवर्ती लागत - स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

iii) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

13. निधि के स्रोत -

परियोजना समर्थन	✧ यदि सदस्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/गरीब महिला वर्ग से हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 75% वहन किया जाएगा। यदि सदस्य सामान्य वर्ग से हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 50% वहन किया जाएगा। ✧ स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में एक लाख रुपये तक की धनराशि जमा की जाएगी। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूहों को नियमित आधार पर मूलधन	खरीद मशीनों/उपकरणों का आवंटन सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा किया जाएगा।

	की किश्तों का भुगतान करना होगा।	
एसएचजी योगदान	✧ सामान्य श्रेणी और अन्य श्रेणियों के लिए पूंजीगत लागत का 50% या 25% क्रमशः स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ यदि समूह महिला समूह है तो पूंजीगत लागत का 25% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।	

14. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

15. सम-विच्छेद बिंदु की गणना :

= पूंजीगत व्यय/(विक्रय मूल्य (प्रति सूट)-उत्पादन लागत (प्रति सूट))

=1,05,100/(300-180)

= 1,05,100/120

इस प्रक्रिया में 876 सूट सिलने के बाद ही लाभ-हानि प्राप्त की जाएगी।

16. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

✧सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

✧सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

✧परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

17. निगरानी विधि-

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय पीढ़ी
- उत्पाद की गुणवत्ता

18. टिप्पणी

सभी सदस्य महिलाएं हैं और निम्न आय वर्ग से हैं तथा वे 25% योगदान दे सकती हैं। परियोजना को शेष 75% राशि वहन करनी होगी।

19. व्यक्तिगत तस्वीरें

मिलापा देवी

सुनीता देवी

रीता देवी

हिमती देवी

रूमला देवी

मीरा देवी

कुशमा देवी

भिंदरा देवी

सीमा देवी

20. समूह फोटो

स्वयं सहायता समूह का नाम:सिमसा माता **वीएफडीएस:**कोलांग रेंज: लड भरोल वनमंडल जोगिंदर नगर

21. संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र

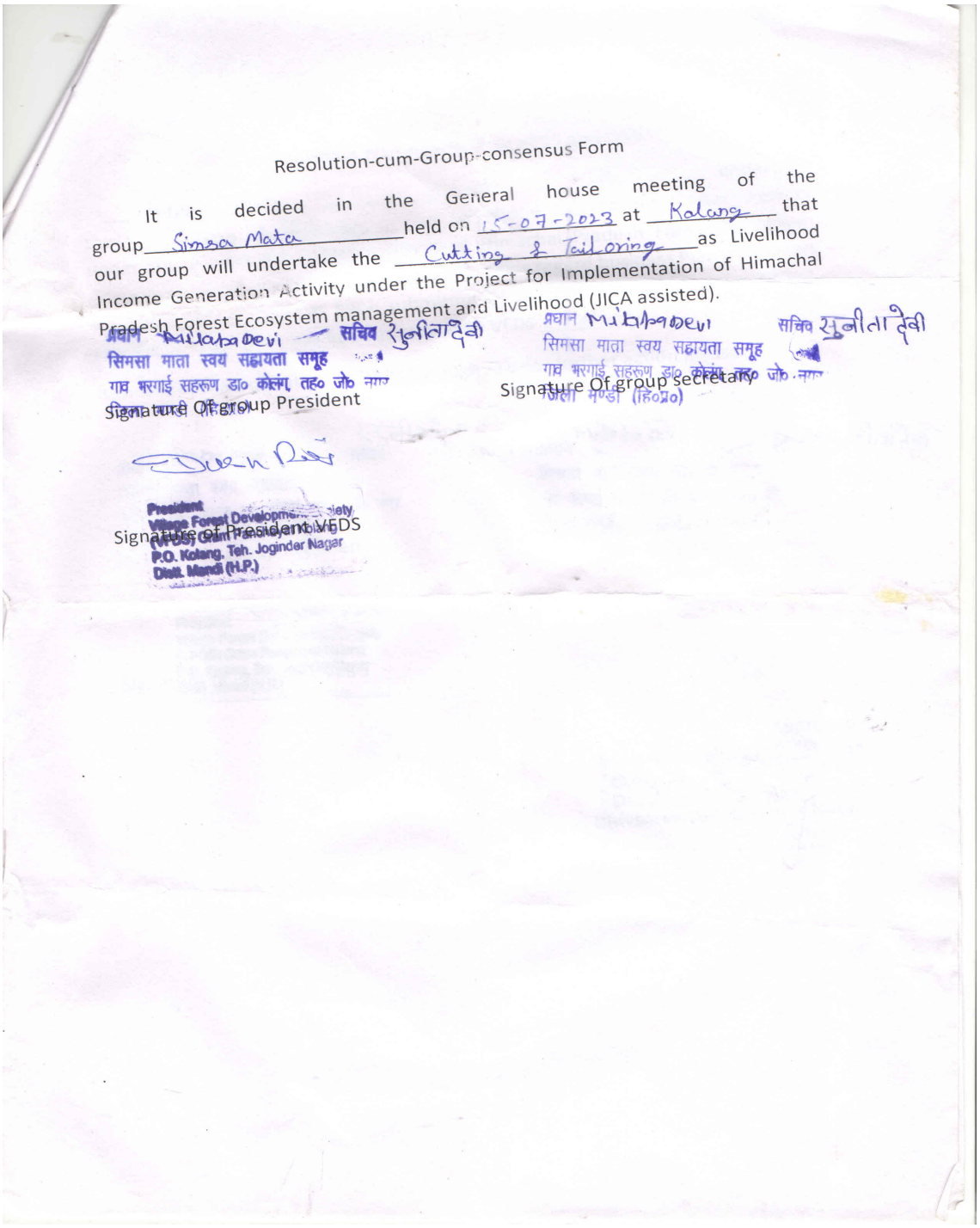

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group Simsa Mata held on 15-07-2023 at Kolang that our group will undertake the Cutting & Tailoring as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

प्रधान Mitabadevi — सचिव सुनिता देवी
सिमसा माता स्वय सहायता समूह
गाव भरगाई सहरूण डा० कोलंग, तह० जो० नगर

Signature Of group President

प्रधान Mitabadevi सचिव सुनीता देवी
सिमसा माता स्वय सहायता समूह
गाव भरगाई सहरूण डा० कोलंग, तह० जो० नगर
जिला मण्डी (हि०प्र०)

Signature Of group secretary

President
Village Forest Development Society
(VFDS) Gram Panchayat Kolang
P.O. Kolang. Teh. Joginder Nagar
Distt. Mandi (H.P.)

Signature of President VFDS

22. वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन

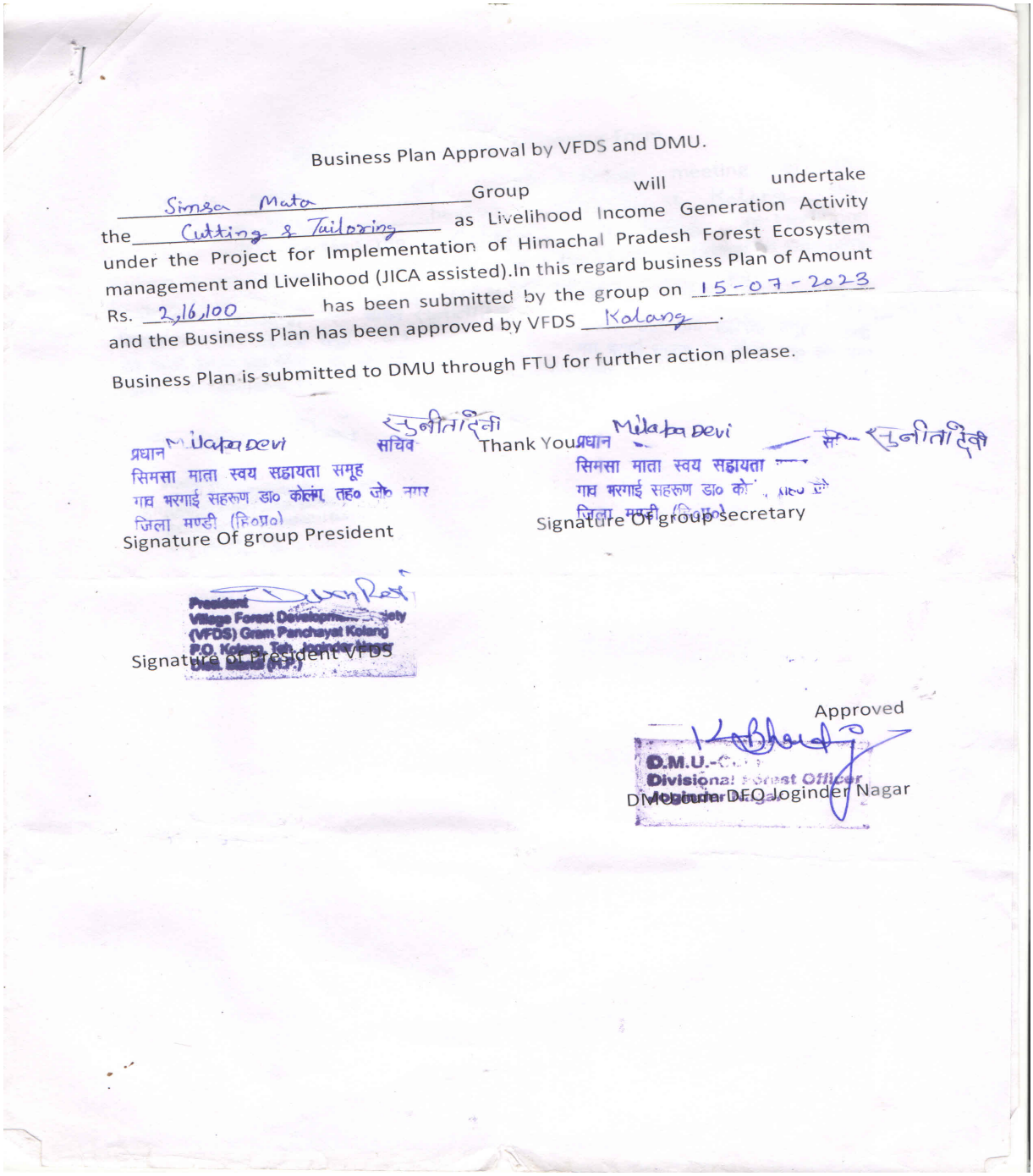

Business Plan Approval by VFDS and DMU.

Simsa Mata Group will undertake the Cutting & Tailoring as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).In this regard business Plan of Amount Rs. 2,16,100 has been submitted by the group on 15-07-2023 and the Business Plan has been approved by VFDS Kolang.

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You

प्रधान Milapa Devi
सचिव सुनीता देवी
सिमसा माता स्वय सहायता समूह
गाव भरगाई सहरूण डा० कोलंग, तह० जो० नगर
जिला मण्डी (हि०प्र०)

Signature Of group President

प्रधान Milapa Devi
सचिव सुनीता देवी
सिमसा माता स्वय सहायता समूह
गाव भरगाई सहरूण डा० को
जिला मण्डी (हि०प्र०)

Signature Of group secretary

President
Village Forest Development Society
(VFDS) Gram Panchayat Kolang
P.O. Kolang, Teh. Joginder Nagar
Distt. Mandi (H.P.)

Signature of President VFDS

Approved

D.M.U.-Cum
Divisional Forest Officer

DMU cum DFO Joginder Nagar